In accordance with NEP-2020

MA Sanskrit
(MAST) NEP 2020

सत्र जुलाई 2025 से संचालित

Year/ वर्ष	Semester/**सेमेस्टर**	**Course Code/ प्रश्नपत्र का संकेतांक**	**Title of the Course/प्रश्नपत्र का शीर्षक**	**Credits / श्रेयांक**	**Max. Marks /पूर्णांक**
I Year	Ist Semester	MAST-101 (N)	वैदिक वाङ्मय	4	100
		MAST-102 (N)	पालि–प्राकृत–अपभ्रंश एवं भाषाविज्ञान	4	100
		MAST-103 (N)	व्याकरण तथा अलंकार	4	100
		MAST-104 (N)	शोधप्रविधि	4	100
		MAST-105 (N)	शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान	4	100
	IInd Semester	MAST-106 (N)	प्राच्य भारतीय दर्शन	4	100
		MAST-107 (N)	संस्कृत–नाटक	4	100
		MAST-108 (N)	संस्कृत–गद्यकाव्य	4	100
		MAST-109 (N)	नाट्यशास्त्र	4	100
		MAST-110 (N)	भारतीय संस्कृति	4	100
II Year	IIIrd Semester	MAST-111 (N)	संस्कृत–शास्त्र एवं शास्त्रकार	4	100
		MAST-112 (N)	संस्कृत–पद्यकाव्य	4	100
		MAST-113 (N)	लौकिक संस्कृत–साहित्य का इतिहास	4	100
		MAST-114 (N)	काव्यशास्त्र	4	100
		MAST-115 (N)	संस्कृत–नाट्य–साहित्य	4	100
	IVth Semester	MAST-116 (N)	संस्कृत–निबन्ध एवं अनुवाद	4	100
		MAST-117 (N)	आधुनिक संस्कृत–साहित्यकारों का सामान्य परिचय	4	100
		MAST-118 (N)	ध्वन्यालोक (प्रथम एवं चतुर्थ उद्योत)	4	100
		MAST-119 (N)	आधुनिक संस्कृत– नाट्य एवं कथा	4	100
		MAST-120 (N)	लघुशोध–प्रबन्ध	4	100
			Total-	**80**	**2000**

एम0 ए0 संस्कृत

MAST – 101 (N)

वैदिक वाङ्मय

- वेद
- निरुक्त एवं उपनिषद्

खण्ड–1 **वेद**

इकाई–1 ऋग्वेद का सामान्य परिचय

चार वेद, चार ऋत्विज, वेदत्रयी, वेद के विभाग, संहिता–ग्रन्थ, ऋग्वेद का रचनाकाल तथा ऋग्वेद संहिता।

इकाई–2 देवता–परिचय– इन्द्र, सवितृ, मरुत्, विश्वामित्र–नदी–संवाद, अग्नि

इकाई–3 देवता–परिचय– अक्ष, राष्ट्राभिवर्धनम्, पृथिवी।

इकाई–4 वैदिक व्याकरण

वैदिक ध्वनियाँ, ध्वनियों के भेद, वैदिक सन्धियाँ, व्यंजन सन्धियाँ, विसर्ग सन्धि, वैदिक शब्द रूप, धातु रूप, वैदिक प्रत्यय, क्रिया–विशेषण तथा अव्यय, वैदिक उपसर्ग तथा वैदिक स्वर।

इकाई–5 ऋग्वेदीय सूक्त – निम्नलिखित सूक्तों का हिन्दी–अनुवाद, पदपाठ तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ–

इन्द्र – 1 / 32

सवितृ – 1 / 35

इकाई–6 निम्नलिखित सूक्तों का हिन्दी अनुवाद, पदपाठ तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ –

मरुत् – 1 / 85

अक्ष– 10/ 34

इकाई–7 निम्नलिखित सूक्तों का हिन्दी अनुवाद, पदपाठ तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ –

विश्वामित्र – नदी–संवाद– 3 / 33

अग्नि 4 / 7

इकाई–8 अथर्ववेदीय सूक्त –निम्नलिखित सूक्तों का हिन्दी अनुवाद, पदपाठ तथा व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ –

राष्ट्राभिवर्धनम् – 1 / 29

पृथिवी 12 / 1 (प्रारम्भिक 1 से 10 मन्त्र तक)

खण्ड–02 **निरुक्त एवं उपनिषद्**

इकाई–9 निरुक्त, केनोपनिषद् एवं वैदिक वाड्.मय का सामान्य अध्ययन।

इकाई–10 निरुक्त प्रथम अध्याय – प्रथम पाँच पादों की व्याख्या, निर्वचन तथा अनुवाद।

इकाई–11 केनोपनिषद्– अनुवाद तथा सामान्य परिचय तथा प्रथम से चतुर्थ खण्ड तक की व्याख्या।

इकाई–12 वैदिक संहिताओं का सामान्य परिचय।

इकाई–13 ब्राह्मणों का सामान्य परिचय।

MAST – 102 (N)

• पालि–प्राकृत, अपभ्रंश एवं भाषाविज्ञान

खण्ड –01 पालि

इकाई–1 पालि भाषा

व्युत्पत्ति, उत्पत्ति, विकास और विशेषताएँ :– प्राचीन भारतीय आर्यभाषा, पालि साहित्य–सामान्य परिचय एवं पालि व्याकरण।

इकाई–2 पालि पाठ

. निम्नलिखित पाठों से अनुवाद, संस्कृतरूपान्तर तथा व्याकरणात्मक टिप्पणी

क. बावेरुजातकम्

ख. महाभिनिक्खमनं

ग. मायादेविया सुपिनं

घ. महापरिनिब्बानसुत्तं

ड. धम्मपद संगहो

खण्ड – 02 प्राकृत एवं अपभ्रंश

इकाई–3 प्राकृत साहित्य का परिचय

सामान्य परिचय एवं प्राकृत व्याकरण

इकाई–4 प्राकृत पाठ

अ. गाहासत्तसई

ब. रावणवहो

स कर्पूरमञ्जरी

इकाई–5 अपभ्रंश साहित्य का परिचय एवं पाठ

अ अपभ्रंश भाषा और साहित्य, अपभ्रंश का संक्षिप्त परिचय।

ब. अपभ्रंश–मुक्तक–संग्रह

ब. सन्देशरासकम्

खण्ड–03 भाषाविज्ञान

इकाई–6 भाषा : उत्पत्ति, विकास , परिभाषा एवं विविध रूप

इकाई–7 ध्वनिविज्ञान, पदविज्ञान

ध्वनिविज्ञान , ध्वनि–परिवर्तन के कारण, दिशाएँ, ध्वनि–नियम, पद–विज्ञान, पदविभाग, व्याकरणिक कोटियाँ, अर्थ–परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

इकाई –8 वाक्यविज्ञान, अर्थविज्ञान

इकाई–9 प्रमुख भारतीय भाषाशास्त्रियों का परिचय :– यास्क, पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि और भर्तृहरि ।

MAST – 103 (N)

- **व्याकरण**
- **अलंकार**

खण्ड–01 **रूपसिद्धि**

इकाई–1 **अजन्त प्रकरण (**लघुसिद्धान्तकौमुदी से)

1. पुल्लिंग :– राम, सर्व, हरि
2. स्त्रीलिंग :– रमा, नदी
3. नपुंसकलिंग :– ज्ञान

इकाई–2 **हलन्त प्रकरण** (लघुसिद्धान्तकौमुदी से)

1. पुल्लिंग – राजन्, इदम्
2. स्त्रीलिंग– मातृ
3. नपुंसकलिंग–अहन्

इकाई–3 **तिङन्त प्रकरण** (लघुसिद्धान्तकौमुदी से)

गम् , भू, एध् (रूप सिद्धि दसों लकारों में)

खण्ड– 02 **प्रत्यय एवं समास**

इकाई–4 **कृदन्त तथा तद्धित** (लघुसिद्धान्तकौमुदी से)

कृत् प्रत्यय, पूर्व कृदन्त, उत्तर कृदन्त, स्त्री प्रत्यय तथा तद्धित प्रत्यय

इकाई–5 **समास** (लघुसिद्धान्तकौमुदी से)

सामान्य परिचय–केवलसमास, अव्ययीभावसमास, तत्पुरुषसमास, बहुव्रीहिसमास, द्वन्द्वसमास।

खण्ड–03 **अलंकारशास्त्र**

इकाई–6 **अलंकारशास्त्र का परिचय**

अलंकारशास्त्र का नामकरण, काव्य में अलंकारों का स्थान, अलंकार सम्प्रदाय का अर्थ, आचार्य मम्मट एवं उनका काव्यप्रकाश, मम्मट का वैशिष्ट्य, अलंकारों का क्रमिक विकास ।

इकाई–7 **अलंकार**

विभाजक–तत्त्व, शब्दालंकार और अर्थालंकार के मध्य भेद, अलंकारों की संख्या, शब्दालंकार– अनुप्रास, यमक तथा श्लेष अलंकार।

इकाई–8 **अर्थालंकार**

उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, अर्थान्तरन्यास, अपह्नुति, भ्रान्तिमान्, दृष्टान्त, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह, निदर्शना एवं काव्यलिंग ।

MAST-104 (N)

शोध–प्रविधि

खण्ड–1 शोधप्रविधि के प्रमुख आयाम

इकाई–1 शोध अथवा ज्ञानार्जन की योग्यता
इकाई–2 संस्कृत समीक्षाशास्त्र में शोध का स्वरूप
इकाई–3 अनुसन्धान का आधुनिक अभिप्राय
इकाई–4 अनुसन्धान की आवश्यकता
इकाई–5 अनुसन्धान के क्षेत्र
इकाई–6 अनुसन्धान के प्रकार
इकाई–7 शोध प्रविधि की विविध पद्धतियाँ

खण्ड–2 शोधप्रबन्ध–स्वरूप, लेखन एवं उपकरण

इकाई–8 शोधप्रबन्ध एवं शोधपत्र
इकाई–9 शोधविषय
इकाई–10 शोधार्थी एवं शोधनिर्देशक
इकाई–11 शोधविषय का चयन एवं शीर्षक–निर्धारण
इकाई–12 शोधप्रबन्ध का स्वरूप एवं उसकी रूपरेखा

MAST-105 (N)

शोध–प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान

खण्ड–1 सामग्री –संकलन

इकाई–1 सामग्री–संकलन : मुख्य एवं गौण स्रोत
इकाई–2 शोध–प्रबन्ध के मुख्य घटक–अध्यायों में विभाजन
इकाई–3 पादटिप्पणी एवं उद्धरण
इकाई–4 भूमिका
इकाई–5 निष्कर्ष एवं ग्रंथसूची
इकाई–6 आधुनिक शोधकार्य में संगणक की भूमिका

खण्ड–2 ग्रन्थ सम्पादन–स्वरूप एवं प्रक्रिया

इकाई–7 ग्रन्थ क्या है? सम्पादन का वर्तमान अर्थ।
इकाई–8 पाण्डुलिपियों के स्रोत
इकाई–9 सम्पादन के सहायक अंग–विशिष्ट ग्रंथसम्पादन
इकाई–10 समीक्षात्मक व्याख्या–पद्धति
इकाई–11 मूलग्रंथ अथवा शास्त्र का भाष्य
इकाई–12 ग्रंथ–समीक्षा का स्वरूप
इकाई–13 सम्पादन–प्रक्रिया

MAST – 106 (N)
प्राच्य भारतीय दर्शन

खण्ड–01 सांख्यकारिका

इकाई–1 **सांख्यदर्शन की परम्परा और सांख्यकारिका :–** 'सांख्य' शब्द का अर्थ, सांख्यदर्शन के आचार्य– कपिल, आसुरि, पञ्चशिख, वार्षगण्य, जैगीषव्य विन्ध्यवास, ईश्वरकृष्ण और उनकी सांख्यकारिका, सांख्यकारिका की टीकाएँ।

इकाई–2 कारिका 1 से 9 तक– व्याख्या तथा समीक्षा।

इकाई–3 कारिका 10 से 20 तक – व्याख्या तथा समीक्षा।

खण्ड–02 तर्कभाषा

इकाई–1 **न्यायदर्शन की परम्परा और तर्कभाषा :–** 'न्याय' शब्द का अर्थ, 'तर्क' शब्द का अर्थ, न्याय दर्शन का प्रतिपाद्य एवं वैशिष्ट्य, न्याय दर्शन के प्रमुख आचार्य– गौतम, वात्स्यायन, उद्योतकर, वाचस्पति मिश्र, उदयन तथा जयन्त भट्ट। प्राचीन न्याय और नव्य न्याय, नव्य न्याय के प्रमुख आचार्य, न्याय वैशेषिक प्रकरण ग्रन्थों की परम्परा।

इकाई–2 **प्रमाण–1**– प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त व्याख्या।

इकाई–3 **प्रमाण–2**– अनुमान प्रमाण पर्यन्त व्याख्या।

खण्ड–03 वेदान्तसार

इकाई–1 **अद्वैतवेदान्त की परम्परा में वेदान्तसार :–** वेदान्त का साहित्य, जीव, ईश्वर, ब्रह्म, शंकराचार्य के परवर्ती आचार्य एवं उनके प्रमुख सिद्धान्त, श्री सदानन्द तथा उनका वेदान्तसार।

इकाई–2 अधिकारी, अज्ञान का स्वरूप तथा उसकी शक्तियाँ।

इकाई–3 सूक्ष्मशरीर एवं पंचीकरण।

इकाई–4 महावाक्य तथा मुक्ति।

खण्ड–04 योगदर्शन

इकाई–1 योग की परिभाषा, समाधि एवम् उसके भेद, प्रवर्तक आचार्य, अनुबन्ध चतुष्टय,

चित्त की पाँच अवस्थाएँ तथा उसकी वृत्तियाँ, समाधि और उसके भेद।

इकाई–2 ईश्वर तथा अष्टांग योग।

MAST – 107(N)

संस्कृत –नाटक

- प्रतिमानाटकम्
- वेणीसंहारम्

खण्ड–1 प्रतिमानाटकम्

इकाई–1 नाटककार एवं नाटक का परिचय।

इकाई–2 श्लोकों की संस्कृत–व्याख्या (प्रारम्भ से 10 श्लोकपर्यन्त)।

इकाई–3 श्लोकों की हिन्दी–व्याख्या (प्रथम अंक)।

इकाई–4 श्लोकों की हिन्दी–व्याख्या (द्वितीय अंक)।

इकाई– 5 श्लोकों की हिन्दी–व्याख्या (तृतीय अंक से सम्पूर्ण)।

इकाई– 6 पात्रों का चरित्र–चित्रण ।

खण्ड– वेणीसंहारम्

इकाई–7 नाटककार एवं नाटक का परिचय।

इकाई–8 श्लोकों की संस्कृत–व्याख्या (प्रारम्भ से 10 श्लोकपर्यन्त)।

इकाई–9 श्लोकों की हिन्दी–व्याख्या (प्रथम अंक)।

इकाई–10 श्लोकों की हिन्दी–व्याख्या (द्वितीय अंक)।

इकाई–11 श्लोकों की हिन्दी–व्याख्या (तृतीय अंक से सम्पूर्ण)।

इकाई–12 पात्रों का चरित्र–चित्रण।

MAST – 108 (N)

संस्कृत–गद्यकाव्य

- **कादम्बरी–शुकनासोपदेश**
- **शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास)**

खण्ड–1 शुकनासोपदेश

इकाई–1 गद्य–काव्य का उद्भव एवं विकास।

इकाई–2 बाणभट्ट का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व ।

इकाई–3 बाणभट्टकृत गद्य–साहित्य का परिचय, गद्य–शैली एवं काव्य–सौन्दर्य।

इकाई–4 'शुकनासोपदेश' का अनुवाद एवं व्याख्या **(एवं समतिक्रामत्सु** से **पताका सर्वाविनयानाम्** तक**)।**

इकाई–5 'शुकनासोपदेश' का अनुवाद एवं व्याख्या **(उत्पत्तिनिम्नगा** से **इत्येतावदभिधायोपशशाम** तक**)।**

इकाई–6 शुकनासोपदेश से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

खण्ड–2 शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास)

इकाई–7 आधुनिक गद्य साहित्य का सामान्य परिचय।

इकाई–8 पं. अम्बिकादत्त व्यास का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व।

इकाई–9 संस्कृत–गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद एवं संस्कृत–व्याख्या **(विष्णोर्माया भगवती** से **आर्यवंश्यांश्चाभिमन्यामहे** तक**)।**

इकाई–10 संस्कृत–गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद एवं संस्कृत–व्याख्या **(उपक्रममुमाकर्ण्य** से **स्वकुटीरं प्रविवेश** तक**)।**

इकाई–11 शिवराजविजयम् से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न।

MAST – 109 (N)

नाट्यशास्त्र

- **भरतमुनिकृत नाट्यशास्त्र (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)**
- **धनञ्जयकृत दशरूपक (प्रथम एवं तृतीय प्रकाश)**

खण्ड–क **भरतमुनिकृत नाट्यशास्त्र (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)**

इकाई–1 नाट्य की उत्पत्ति एवं प्रयोजन।

इकाई–2 ग्रन्थ एवं ग्रन्थकार का परिचय।

इकाई–3 श्लोकों की व्याख्या (प्रथम अध्याय श्लोक संख्या 01 से 60 तक)।

इकाई–4 श्लोकों की व्याख्या (प्रथम अध्याय श्लोक संख्या 61 से 127 तक)।

इकाई–5 श्लोकों की व्याख्या (द्वितीय अध्याय श्लोक संख्या 01 से 55 तक)।

इकाई–6 श्लोकों की व्याख्या (द्वितीय अध्याय श्लोक संख्या 56 से 105 तक)।

इकाई–7 विवेचनात्मक प्रश्न।

खण्ड–ख **धनञ्जयकृत दशरूपक (प्रथम एवं तृतीय प्रकाश)**

इकाई–8 ग्रन्थ एवं ग्रन्थकार का परिचय ।

इकाई–9 कारिकाओं की व्याख्या (प्रथम प्रकाश– मंगलाचरण से कारिका संख्या 30 तक)।

इकाई–10 कारिकाओं की व्याख्या (प्रथम प्रकाश– कारिका संख्या 31 से 68 तक)।

इकाई–11 कारिकाओं की व्याख्या (तृतीय प्रकाश– कारिका संख्या 1 से 76 तक)।

इकाई–12 विवेचनात्मक प्रश्न ।

MAST- 110 (N)

भारतीय संस्कृति

इकाई–1 भारतीय संस्कृति : अर्थ, परिभाषा विशेषताएं एवं इसके विविध आयाम

इकाई–2 भारतीय संस्कृति का ऐतिहासिक विकास–हड़प्पा युग, वैदिक संस्कृति, बौद्ध काल, गुप्त काल

इकाई–3 संस्कृति का संरक्षण : पर्यटन की संस्कृति बनाम संरकृति का पर्यटन

इकाई–4 ऐतिहासिक विरासत, पुरातात्विक स्थलों और स्मारकों का संरक्षण, कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

इकाई–5 सामजिक संरचना : सामाजिक ऐतिहासिक परिदृश्य–वैदिक काल में भारतीय समाज, वैदिक युग के बाद का समाज, गुप्तकाल।

इकाई–6 रीति–रिवाज, अनुष्ठान और पंथ

इकाई–7 ललित कलाएँ : नृत्य, सिद्धान्त और तकनीक, नृत्य का ऐतिहासिक विकास, भारतीय शास्त्रीय नृत्य

इकाई–8 भारतीय संगीतः उद्भव और विकास, वर्गीकरण, संगीत के अनिवार्य तत्त्व

इकाई–9 भारतीय चित्रकला : सौन्दर्यशास्त्र एवं इसके तत्त्व

इकाई–10 भारतीय रंगमंच : भारत में रंगमंच परम्परा शास्त्रीय, लोक रंगमंच

इकाई–11 भारत में नाटक परम्परा–शास्त्रीय एवं आधुनिक नाटक

इकाई–12 भारतीय सिनेमा–भारतीय सिनेमा का परिचय, उद्योग के रूप में भारतीय सिनेना, भारतीय सिनेमा : यथार्थ या फैंटेसी

इकाई–13 प्रमुख स्थापत्य शैलियाँ–हड़प्पा सभ्यता, क्षेत्रीय स्थापत्य शैलियों–प्राचीन काल–स्तूप, गुफा, मंदिर स्थापत्य

इकाई–14 मूर्तिकला : आकार और प्रकार आरंभिक काल–हड़प्पा सभ्यता मौर्य, शुंग, कुषाण काल एवं गुप्त काल

इकाई–15 जनजातीय संस्कृति–जनजाति क्या है? अस्मिता क्या है? अस्मिता के प्रकार, जनजातीय अस्मिता का निर्माण, ऐतिहासिक और भौगोलिक विस्तार, सांस्कृतिक आयाम, सामाजिक संगठन एवं जनजातीय धर्म

MAST-111 (N)

संस्कृत–शास्त्र एवं शास्त्रकार

खण्ड–1 व्याकरणशास्त्र

इकाई–1 आचार्य पाणिनि –

पाणिनि का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, पाणिनि का कर्तृत्व, पाणिनि की पद्धति, पाणिनीकालिक लोक–भाषायें, पाणिनि एवं संस्कृत, पाणिनि की संस्कृत–व्याकरण को देन।

इकाई–2 आचार्य कात्यायन एवं आचार्य पतंजलि–

कात्यायन का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, कात्यायन का कर्तृत्व, कात्यायन की भाषा, वार्तिक का लक्षण, आचार्य कात्यायन की संस्कृत –व्याकरण को देन। पतंजलि का जन्म–समय एवं जन्म स्थान, पतंजलि का जीवन चरित, पतंजलि की संवाद–शैली, पतंजलि का कर्तृत्व , संस्कृत व्याकरण को पतंजलि की देन तथा 'यथोत्तरं मुनीनां प्रामाण्यम्' की व्याख्या।

इकाई–3 आचार्य भट्टोजिदीक्षित, आचार्य वरदराज एवं आचार्य नागेश भट्ट–

भट्टोजिदीक्षित का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, भट्टोजिदीक्षित का कर्तृत्व। आचार्य वरदराज का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, कर्तृत्व एवं आचार्य वरदराज का व्याकरणशास्त्र को देन। नागेश भट्ट का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, कर्तृत्व, वैशिष्ट्य तथा गुरुशिष्य परम्परा, व्याकरण शास्त्र को नागेश भट्ट की देन।

खण्ड–2 काव्यशास्त्र

इकाई–4 आचार्य भरत एवं आचार्य अभिनवगुप्त–

आचार्य भरत का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, भरत का कर्तृत्व एवं प्रतिपाद्य विषय, संस्कृत–साहित्यशास्त्र को भरत की देन। अभिनवगुप्त का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, अभिनवगुप्त का कर्तृत्व एवं प्रतिपाद्य विषय साहित्यशास्त्र को आचार्य अभिनवगुप्त की देन।

इकाई–5 आचार्य भामह एवं आचार्य रुद्रट–

आचार्य भामह का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, भामह का कर्तृत्व एवं प्रतिपाद्य विषय, संस्कृत–काव्यशास्त्र को भामह की देन। रुद्रट का जन्म–समय एवं जन्म स्थान, कर्तृत्व एवं प्रतिपाद्य विषय, संस्कृत–काव्यशास्त्र को आचार्य रुद्रट की देन।

इकाई–6 आचार्य आनन्दवर्धन एवं आचार्य मम्मट –

आनन्दवर्धन का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, कर्तृत्व एवं प्रतिपाद्य विषय, काव्यशास्त्र में उनका योगदान। आचार्य मम्मट का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, उनका कर्तृत्व, प्रतिपाद्य विषय, काव्यशास्त्र को आचार्य मम्मट की देन।

इकाई–7 आचार्य कुन्तक एवं आचार्य क्षेमेन्द्र–

आचार्य कुन्तक का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, कर्तृत्व एवं प्रतिपाद्य विषय, काव्यशास्त्र को कुन्तक की देन। आचार्य क्षेमेन्द्र का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, कर्तृत्व एवं प्रतिपाद्य विषय, काव्यशास्त्र को क्षेमेन्द्र की देन।

खण्ड–3 आयुर्वेद शास्त्र (भाग–1)

इकाई–8 आचार्य चरक –

'चरक' शब्द का अर्थ, चरक का समय, चरक एवं कनिष्क, चरक एवं पतंजलि चरक संहिता, आचार्य चरक की आयुर्वेद को देन।

इकाई–9 आचार्य सुश्रुत एवं आचार्य वाग्भट–

आचार्य सुश्रुत का जीवन–परिचय, जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, कर्तृत्व एवं प्रतिपाद्य विषय, आचार्य सुश्रुत की आयुर्वेद को देन। वाग्भट का जीवन परिचय, जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, वाग्भट का कर्तृत्व एवं प्रतिपाद्य विषय, वाग्भट की आयुर्वेद को देन।

खण्ड– 3 अर्थशास्त्र एवं सड्.गीतशास्त्र (भाग–2)

इकाई–10 आचार्य कौटिल्य –

आचार्य कौटिल्य का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, जीवन–परिचय, कर्तृत्व एवं प्रतिपाद्य विषय।

इकाई–11 आचार्य शार्ड्.गदेव–

शार्ड्.गदेव का जन्म–स्थान एवं जन्म समय, शार्ड्.गदेव का कर्तृत्व, सड्.गीतरत्नाकर का प्रतिपाद्य विषय सड्.गीतशास्त्र को शार्ड्.गदेव की देन।

खण्ड–4 ज्योतिष शास्त्र

इकाई–12 आचार्य वराहमिहिर –

वराहमिहिर का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, वराहमिहिर का कर्तृत्व, कृतियों का प्रतिपाद्य विषय, ज्योतिष शास्त्र को वराहमिहिर का योगदान।

इकाई– 13 आचार्य आर्यभट एवं आचार्य कल्याणवर्मा

आर्यभट का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, कर्तृत्व, आर्यभटीय का प्रतिपाद्य विषय, ज्योतिष शास्त्र को आर्यभट की देन। आचार्य कल्याणवर्मा का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, कर्तृत्व, कृतियों का प्रतिपाद्य विषय, ज्योतिषशास्त्र को आचार्य कल्याणवर्मा की देन।

इकाई–14 आचार्य ब्रह्मगुप्त, आचार्य भास्कर एवं आचार्य पराशर –

आचार्य ब्रह्मगुप्त का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, आचार्य का कर्तृत्व, आचार्य की कृतियों का प्रतिपाद्य विषय, ज्योतिष शास्त्र को आचार्य ब्रह्मगुप्त की देन। आचार्य भास्कर का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, भास्कराचार्य का कर्तृत्व, सिद्धान्त शिरोमणि का प्रतिपाद्य विषय, ज्योतिष शास्त्र को भास्कराचार्य की देन। आचार्य पराशर का जन्म–समय एवं जन्म–स्थान, आचार्य का कर्तृत्व , कृतियों का प्रतिपाद्य विषय, ज्योतिषशास्त्र को आचार्य पराशर की देन।

MAST – 112 (N)

संस्कृत–पद्यकाव्य

- **नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग (पद्य संख्या 1 से पद्य संख्या 98 पर्यन्त)**
- **किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)**

खण्ड– 1 नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग (पद्य संख्या 1 से पद्य संख्या 98 पर्यन्त)

इकाई–1 महाकाव्य का उद्भव, विकास एवं परम्परा– महाकाव्य का लक्षण, महाकाव्य का उद्भव, महाकाव्य का विकास, महाकाव्य की परम्परा।

इकाई–2 महाकवि श्रीहर्ष एवं नैषधीयचरितम् – श्रीहर्ष का जीवन–चरित, श्रीहर्ष का स्थिति–काल, श्रीहर्ष का निवास–स्थान, श्रीहर्ष का कर्तृत्व, नैषधीयचरितम् की कथावस्तु, प्रथम सर्ग की कथावस्तु, नैषधीयचरितम् का कथा स्रोत एवं मूल कथा में किए गए परिवर्तन, श्रीहर्ष की भाषा शैली, प्रकृत–चित्रण, पात्रों का चरित्र–चित्रण एवं नैषधं विद्वदौषधम्।

इकाई–3 पद्य संख्या 1 से पद्य संख्या 14 तक अनुवाद एवं संस्कृत व्याख्या।

इकाई–4 पद्य संख्या 15 से पद्य संख्या 41 तक अनुवाद एवं व्याख्या।

इकाई–5 पद्य संख्या 42 से पद्य संख्या 73 तक अनुवाद एवं व्याख्या।

इकाई– 6 पद्य संख्या 74 से पद्य संख्या 98 तक अनुवाद एवं व्याख्या।

खण्ड– 2 किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)

इकाई–7 भारवि का स्थितिकाल, जीवन–परिचय, अलंकार शैली के प्रवर्तक ।

इकाई–8 काव्यभेद तथा महाकाव्य का स्वरूप, महाकाव्य का नामकरण।

इकाई–9 महाकाव्य का नायक, संक्षिप्त इतिवृत्त, महाभारत की कथा से प्राप्त परिवर्तन।

इकाई–10 भारवि से संबंधित प्रशस्ति, भारवि की शैली का वैशिष्ट्य, 'भारवेरर्थगौरवम्', अलंकार–निरूपण, छन्द, रसाभिव्यंजना, प्रथम सर्ग की कथा, प्रथम सर्ग की सूक्तियाँ।

इकाई–11 प्रथम सर्ग के श्लोक संख्या 1 से 15 तक की व्याख्या तथा अनुवाद।

इकाई–12 प्रथम सर्ग के श्लोक संख्या 16 से 30 तक की व्याख्या तथा अनुवाद।

इकाई–13 प्रथम सर्ग के श्लोक संख्या 31 से 46 तक की व्याख्या तथा अनुवाद।

MAST – 113 (N)

लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास

खण्ड–क

इकाई–1 रामायण– ऐतिहासिक महाकाव्यों की विकास परम्परा रामायण का सामान्य परिचय आदि कवि वाल्मीकि, रामायण का रचना–काल, रामायण की आदिकाव्यता, रामायण की शैली तथा रामायण का सांस्कृतिक महत्त्व उपजीव्य काव्य के रूप में।

इकाई–2 महाभारत – महाभारत का सामान्य परिचय, महाभारत का विकास क्रम, महाभारत का रचना काल, महाभारत की शैली, महाभारत की सांस्कृतिक महत्त्व, उपजीव्य काव्य के रूप में महाभारत, रामायण एवं महाभारत की संस्कृतियों की तुलना।

इकाई–03 महाकाव्य एवं महाकवियों के कर्तृत्व एवं व्यक्तित्व – महाकाव्य का उद्भव, विकास एवं लक्षण।

कालिदास– कालिदास का काल, व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व, महाकाव्यों का प्रतिपाद्य–विषय तथा काव्य–शैली, कविविषयक प्रशस्तियाँ।

इकाई–04 अश्वघोष – अश्वघोष का समय, व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व, महाकाव्यों का प्रतिपाद्य–विषय तथा काव्य–शैली, कविविषयक प्रशस्तियाँ।

भारवि – भारवि का समय, व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व, महाकाव्यों का प्रतिपाद्य–विषय तथा काव्यशैली, कविविषयक प्रशस्तियाँ।

दीर्घ उत्तरीय, लघु उत्तरीय एवं बहुविकल्पीय प्रश्न।

खण्ड– ख

इकाई–05 माघ– माघ का समय, व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व, महाकाव्यों का प्रतिपाद्य–विषय तथा काव्य–शैली, कविविषयक प्रशस्तियाँ।

इकाई–06 श्रीहर्ष– हर्ष का समय व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व, महाकाव्यों का प्रतिपाद्य–विषय तथा काव्य–शैली, कविविषयक प्रशस्तियाँ।

इकाई–07 नाट्य–साहित्य एवं नाटक– नाट्यसाहित्य एवं नाटक का उद्भव एवं विकास तथा संस्कृत नाटकों की विशेषताएँ।

इकाई–08 महाकवि भास– भास का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व, स्थितिकाल, नाट्यकला, नाटकों की विषय–वस्तु, नाटकों का समीक्षात्मक विवेचन।

इकाई 9– महाकवि शूद्रक– शूद्रक का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व, स्थितिकाल, नाट्यकला, नाटकों की विषय वस्तु, नाटकों का समीक्षात्मक विवेचन। दीर्घ उत्तरीय,लघु उत्तरीय एवं बहुविकल्पीय प्रश्न।

खण्ड– ग

इकाई 10– महाकवि कालिदास– कालिदास की नाट्य–कला, नाटकों की विषयवस्तु, नाटकों का समीक्षात्मक विवेचन।

इकाई–11 महाकवि भवभूति – भवभूति का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व, स्थितिकाल, नाट्य–कला, नाटकों की विषयवस्तु, नाटकों का समीक्षात्मक विवेचन।

विशाखदत्त– विशाखदत्त का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व, स्थितिकाल, नाट्य–कला, नाटक की विषयवस्तु, विशाखदत्त के नाटकों पर समीक्षात्मक विवेचन।

खण्ड– घ

इकाई–12 गद्यकाव्य का उद्भव एवं विकास

दण्डी– दण्डी का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व, कृति की विषयवस्तु, गद्य–शैली एवं काव्य–सौन्दर्य

सुबन्धु– सुबन्धु का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व, समय, कृति की विषयवस्तु, गद्य–शैली एवं काव्य–सौन्दर्य

इकाई–13 बाणभट्ट– बाणभट्ट का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व, कृतियों की विषयवस्तु, गद्य–शैली एवं काव्य–सौन्दर्य।

दीर्घ उत्तरीय,लघु उत्तरीय एवं बहुविकल्पीय प्रश्न।

MAST – 114 (N)

काव्यशास्त्र

- **काव्यप्रकाश (प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, सप्तम एवं अष्टम उल्लास)**

खण्ड– क

इकाई–1 काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय ।

इकाई–2 प्रमुख सम्प्रदायों का सामान्य परिचय ।

इकाई–3 प्रथम उल्लास की कारिकाओं की व्याख्या।

इकाई–4 द्वितीय उल्लास की कारिकाओं की व्याख्या।

खण्ड– ख

इकाई–5 तृतीय उल्लास की कारिकाओं की व्याख्या।

इकाई–6 चतुर्थ उल्लास (रससूत्र के पूर्व तक का भाग) की कारिकाओं की व्याख्या।

इकाई–7 चतुर्थ उल्लास रससूत्र की व्याख्याएँ।

इकाई–8 एक से चार उल्लास तक के समीक्षात्मक प्रश्न।

खण्ड–ग

इकाई–9 दोष का सामान्य स्वरूप/लक्षण, पदगतदोष– श्रुतिकटु, च्युतसंस्कार, अप्रयुक्त, अनुचितार्थ, ग्राम्य, क्लिष्ट, अविमृष्टविधेयांश तथा विरुद्धमतिकृत् दोषों का लक्षण एवं उदाहरण सहित विवेचन।

इकाई–10 अर्थदोष– अपुष्ट, कष्ट, विद्याविरुद्ध, सन्दिग्ध, अपदयुक्तता, प्रकाशितविरुद्धता एवं अश्लील नामक अर्थदोषों का लक्षण एवं उदाहरण सहित विवेचन।

इकाई–11 वाक्यगतदोष– प्रतिकूलवर्णता, विसन्धि, हतवृत्तता, कथितपदता, पतत्प्रकर्षता, प्रसिद्धिविरुद्धता, भग्नप्रक्रमता एवं न्यूनपदता नामक दोषों का लक्षण एवं उदाहरण सहित विवेचन।

इकाई–12 रसदोष – व्यभिचारी भावों का स्वशब्दगत कथन, रसशब्द का स्वशब्द से कथन, स्थायीभावों की स्वशब्दवाच्यता आदि।

इकाई–13 गुणों का सामान्य लक्षण, गुण एवं अलंकारों में अन्तर, गुणों के भेद–लक्षण एवं उदाहरण सहित विवेचन, वामनोक्त दश प्रकार के शब्दगुणों का खण्डन तथा वामनोक्त दश अर्थगुणों का खण्डन।

MAST-115 (N)
संस्कृत–नाट्य–साहित्य

खण्ड–1 नाट्य–साहित्य का इतिहास

इकाई–1 संस्कृत–नाट्य का उद्भव ।

इकाई–2 संस्कृत–रूपकों का विकास (प्राचीन काल)

इकाई–3 संस्कृत–रूपकों का विकास (अर्वाचीन काल)

खण्ड–2 मृच्छकटिकम्

इकाई–1 महाकवि शूद्रक का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व– जीवन–परिचय, जन्म–काल, शूद्रक की काव्यकला, शूद्रक की नाट्यकला, मृच्छकटिक का सारांश, मृच्छकटिक में भाषा–वैविध्य, मृच्छकटिक में गौण पात्रों की योजना, मृच्छकटिक की सामान्य समीक्षा तथा मृच्छकटिक में हास्य–योजना।

इकाई–2 चरित्र–चित्रण – पात्र–परिचय, चारुदत्त, वसन्तसेना, शकार, विदूषक तथा अन्य पात्र।

इकाई–3 मृच्छकटिक का समाज– मृच्छकटिक की सामाजिक रूपक के रूप में समीक्षा एवं राजनीतिक दशा, आर्थिक दशा तथा धार्मिक स्थिति का चित्रण।

खण्ड–3 व्याख्या

इकाई–1 व्याख्या– प्रथम अंक के पद्य 01 से लेकर पद्य 28 तक हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या।

इकाई–2 व्याख्या– प्रथम अंक के पद्य 29 से लेकर पद्य 58 तक हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या।

इकाई–3 व्याख्या– द्वितीय अंक सम्पूर्ण हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या।

खण्ड–4 व्याख्या

इकाई–1 व्याख्या– तृतीय अंक सम्पूर्ण हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या।

इकाई–2 व्याख्या– चतुर्थ अंक सम्पूर्ण हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या।

इकाई–3 व्याख्या– पंचम अंक पद्य 1 से 35 तक हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या।

खण्ड–5 मुद्राराक्षसम्

इकाई–1 महाकवि विशाखदत्त का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व– विशाखदत्त का जीवन–परिचय, जन्म–काल, विशाखदत्त का कर्तृत्व तथा मुद्राराक्षस नाटक का नामकरण।

इकाई–2 मुद्राराक्षस की ऐतिहासिकता– मुद्राराक्षस नाटक की कथावस्तु, पात्र–परिचय, नाटक की ऐतिहासिकता एवं नाटक की विशेषताएं तथा चरित्र–चित्रण।

इकाई–3 मुद्राराक्षस की समीक्षा– मुद्राराक्षस की सामान्य समीक्षा, नाट्यशास्त्रीय दृष्टि से समीक्षा, मुद्राराक्षस में नायकत्व, मुद्राराक्षस की कूटनीतिप्रधान नाटक के रूप में समीक्षा।

खण्ड–6 व्याख्या

इकाई–1 व्याख्या– मुद्राराक्षस के प्रथम अंक के पद्यों का अनुवाद एवं व्याख्या।

इकाई–2 व्याख्या– मुद्राराक्षस के द्वितीय अंक के पद्यों का अनुवाद एवं व्याख्या।

इकाई–3 व्याख्या– मुद्राराक्षस के तृतीय अंक के पद्यों का अनुवाद एवं व्याख्या।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य– इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से आप

1. संस्कृत नाट्य साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
2. महाकवि शूद्रक एवं महाकवि विशाखदत्त के जीवन–परिचय को जान सकेंगे।
3. संस्कृत नाट्य भेदों में प्रकरण के स्वरूप का बोध कर सकेंगे।
4. तात्कालिक सामाजिक एवं राजनीतिक स्थितियों से अवगत हो सकेंगे।
5. मृच्छकटिम् एवं मुद्राराक्षस के नाटकीय संविधान के विषय में अवगत हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम की सम्भावित उपलब्धियाँ

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से आप में निम्न योग्यता उत्पन्न हो सकेगी–

CO 1- संस्कृत नाट्य के उद्भव को जानने के योग्य हो जायेंगे।

CO 2- संस्कृत नाट्य के एक भेद प्रकरण के स्वरूप को जान जायेंगे।

CO 3- मृच्छकटिकम् एवं मुद्राराक्षस के रचनाओं के विषय में जानने के योग्य हो जायेंगे।

CO 4- पद्यों की व्याख्या करने की योग्यता उत्पन्न हो जायेगी।

CO 5- नाटकों की समीक्षा करने के योग्य हो जायेंगे।

MAST – 116 (N)

संस्कृत–निबन्ध एवं अनुवाद

- **संस्कृत–निबन्ध**
- **संस्कृत–अनुवाद**

खण्ड– क

इकाई–1 वैदिक एवं पुराण वाड्.मय पर आधारित निबन्ध– वेदानां महत्त्वम्, वेदांगानां महत्त्वम् , उपनिषदां महत्त्वम्, पुराणानां महत्त्वम् ।

इकाई–2 दार्शनिक निबन्ध– भारतीयदर्शनानां महत्त्वं वैशिष्ट्यं च , ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या, गीता सुगीता कर्तव्या एवं नास्ति योगसमं बलम् ।

इकाई–3 साहित्यशास्त्रीय निबन्ध – काव्यस्यात्मा ध्वनिः , विभावानुभाव–व्यभिचारि–संयोगाद् रसनिष्पात्तिः, अपारे काव्यसंसारे कविरेव प्रजापतिः, भारवेरर्थगौरवम्, दण्डिनः पदलालित्यम्, काव्येषु नाटकं रम्यम्।

इकाई–4 धर्मशास्त्रीय निबन्ध – संस्काराः , धर्मशास्त्रं राष्ट्रोन्नतिश्च, धर्मशास्त्रस्य अनुशासनम्, सम्पत्तिविभाजनम्।

खण्ड–ख

इकाई–5 सामाजिक निबन्ध – श्रेयसि केन तृप्यते, भाविभद्रं हि जीवितम्, क्रिया हि वस्तूपहिता प्रसीदति, उत्सवप्रियाः खलु मनुष्याः।

इकाई–6 राष्ट्रिय विषयों पर निबन्ध – वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहिताः, विश्वबन्धुत्वम्, भारतीय गणतंत्रम्।

इकाई–7 आधुनिक विषयों पर निबन्ध – संगणकस्य उपयोगिता, आधुनिकयुगे संस्कृतस्य उपयोगिता, नारीसशक्तीकरणम्, स्त्रीशिक्षायाः महत्त्वम्, धर्मार्थकाममोक्षाणाम् आरोग्यं मूलमुत्तमम्।

इकाई–8 विविध– यतो धर्मस्ततो जयः, परोपकाराय सतां विभूतयः, यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ।

खण्ड–ग

इकाई–9 अनुवाद के सामान्य नियम तथा हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद (अनुच्छेद पर आधारित)।

इकाई–10 संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद(अनुच्छेद पर आधारित)।

MAST-117 (N)

आधुनिक संस्कृत– साहित्यकारों का सामान्य परिचय

खण्ड– 1 आधुनिक संस्कृत–साहित्य

इकाई–1 आधुनिक संस्कृत–साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई–2 आधुनिक संस्कृत–साहित्य की मूल प्रवृत्तियाँ

इकाई–3 प्रमुख महाकाव्य एवं कवि परिचय I

इकाई–4 प्रमुख महाकाव्य एवं कवि परिचय II

इकाई–5 प्रमुख खण्डकाव्य, गीतिकाव्य एवं कवि परिचय I

इकाई–6 प्रमुख खण्डकाव्य, गीतिकाव्य एवं कवि परिचय II

खण्ड– 2 आधुनिक संस्कृत–साहित्य : नाटक, गद्यकाव्य एवं प्रकीर्णकाव्य

इकाई–7 नाटक एवं गद्यकाव्य का स्वरूप

इकाई–8 प्रमुख नाटक एवं नाटककारों का परिचय I

इकाई–9 प्रमुख नाटक एवं नाटककारों का परिचय II

इकाई–10 गद्यकाव्य एवं कवि–परिचय

इकाई–11 मुक्तककाव्य एवं कवि–परिचय

इकाई–12 शतककाव्य एवं कवि–परिचय

इकाई–13 चम्पूकाव्य एवं कवि–परिचय

MAST-117 (N)

आधुनिक संस्कृत– साहित्यकारों का सामान्य परिचय

पाठ्यक्रम की विभिन्न इकाइयों के अन्तर्गत अधेलिखित साहित्यकारों का परिचय तथा कर्तृत्व का समावेश होगा–

1. आचार्य भट्ट मथुरानाथ शास्त्री
2. पण्डिता क्षमाराव
3. आचार्य रामावतार शर्मा
4. आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
5. आचार्य श्रीधर भास्कर वर्णेकर
6. आचार्य बच्चूलाल अवस्थी
7. आचार्य श्रीनिवास रथ
8. आचार्य जगन्नाथ पाठक
9. आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी
10. आचार्य सत्यव्रत शास्त्री
11. आचार्य रामकरण शर्मा
12. आचार्य केशवचन्द्र दाश
13. आचार्य बटुकनाथशास्त्री खिस्ते
14. आचार्य अभिराज राजेन्द्र मिश्र
15. आचार्य पुष्पा दीक्षित
16. आचार्य हरिदत्त शर्मा
17. आचार्य राधाबल्लभ त्रिपाठी
18. आचार्य रतिनाथ झा
19. आचार्य हर्षदेव माधव
20. आचार्य जनार्दनप्रसाद पाण्डेय ‘मणि’

MAST-118 (N)
ध्वन्यालोक (प्रथम एवं चतुर्थ उद्योत)

खण्ड– क

इकाई–1 काव्यशास्त्र का संक्षिप्त परिचय–काव्यशास्त्र का अर्थ, काव्य में 'शास्त्र' शब्द का अर्थ, काव्यशास्त्र के विविध नाम।

इकाई–2 प्रमुख काव्यशास्त्रीय आचार्य– भरत, भामह, मेधाविरुद्र, रुद्रट, वामन, दण्डी, मम्मट, राजशेखर, विश्वनाथ, पंडितराज जगन्नाथ।

इकाई–3 काव्य–सम्प्रदायों का सामान्य परिचय।

इकाई–4 ध्वन्यालोककार आचार्य आनन्दवर्धन का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व।

इकाई–5 ध्वनि सिद्धान्त, स्फोट सिद्धान्त, ध्वनि का अर्थ, ध्वनि के विविध विकल्प तथा ध्वनि का स्वरूप एवं ध्वनि के भेद।

खण्ड–ख

इकाई–6 कारिका 01 से 12 तक की व्याख्या (प्रथम उद्योत)

इकाई–7 कारिका 13 से 19 तक की व्याख्या (प्रथम उद्योत)

इकाई–8 कारिका 01 से 05 तक की व्याख्या (चतुर्थ उद्योत)

इकाई–9 कारिका 06 से 17 तक की व्याख्या (चतुर्थ उद्योत)

इकाई–10 आलोचनात्मक प्रश्न।

MAST-119 (N)
आधुनिक संस्कृत–नाट्य एवं कथा

- आधुनिक संस्कृत–नाट्यकाव्य
- कथाकाव्य

खण्ड–क नाट्यकाव्य (एकांकी)

(अधोलिखित नाटककारों के एक–एक एकांकी का अध्ययन किया जाना है।)

नाटककार	एकांकी
1. प्रो. राजेन्द्र मिश्र	1. प्रतिभाप्रतीक्षणम्
2. प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी	2. प्रतीक्षा
3. प्रो. हरिदत्त शर्मा	3. वधूदहनम्
4. प्रो. शिवजी उपाध्याय	4. यौतुकम्

खण्ड–ख कथाकाव्य

(अधोलिखित कथाकारों की एक–एक कथा का अध्ययन किया जाना है।)

कथाकार	कथा
1. देवर्षि कलानाथशास्त्री	1. दम्भज्वरः
2. प्रो. प्रभुनाथ द्विवेदी	2. कनकलोचनः
3. प्रो. महेश गौतम	3. अपर्णा
4. प्रो. नारायण दाश	4. सत्यम् शिवम् सुन्दरम्
5. प्रो. बनमाली विश्वाल	5. बुभुक्षा

MAST-119 (N)
आधुनिक संस्कृत–नाट्य एवं कथा

- **आधुनिक संस्कृत–नाट्यकाव्य**
- **कथाकाव्य**

खण्ड–क नाट्यकाव्य (एकांकी)

इकाई–1 प्रतिभापरीक्षणम्–
एकांकीकार राजेन्द्रमिश्र का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व। एकांकी की कथावस्तु, एकांकी की अभिनेयता, एकांकी का अनुवाद तथा एकांकी में युगबोध।

इकाई–2 प्रतीक्षा– एकांकीकार प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी प्रतीक्षा का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व। एकांकी की कथावस्तु एकांकी की अभिनेयता, एकांकी का अनुवाद तथा एकांकी में युगबोध।

इकाई–3 वधूदहनम्– एकांकीकार प्रो. हरिदत्त शर्मा का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व। एकांकी की कथावस्तु एकांकी की अभिनेयता, एकांकी का अनुवाद तथा एकांकी में युग बोध।

इकाई–4 यौतुकम्– एकांकीकार प्रो. शिवजी उपाध्याय का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व। एकांकी की कथावस्तु एकांकी की अभिनेयता, एकांकी का अनुवाद तथा एकांकी में युग बोध।

इकाई–5 देशदीपम्– एकांकीकार प्रो. रमा चौधरी का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व। एकांकी की कथावस्तु एकांकी की अभिनेयता, एकांकी का अनुवाद तथा एकांकी में युगबोध।

खण्ड–ख कथाकाव्य

इकाई–1 कथा साहित्य का उद्भव एवं विकास, पुरातन संस्कृत कथाओं एवं आधुनिक संस्कृत कथाओं में अन्तर।

इकाई–2 देवर्षि कलानाथशास्त्रीकृत 'दम्भज्वरः' – कथाकार का जीवन परिचय, कथा की कथावस्तु,कथा का हिन्दी अनुवाद तथा कथा में युगबोध।

इकाई–3 प्रो. प्रभुनाथद्विवेदीकृत ' कनकलोचन': – कथाकार का जीवन परिचय, कथा की कथावस्तु, कथा का हिन्दी अनुवाद तथा कथा में युगबोध।

इकाई–4 प्रो. महेशगौतमकृत 'अपर्णा'– कथाकार का जीवन परिचय, कथा की कथावस्तु, कथा का हिन्दी अनुवाद तथा कथा में युगबोध।

इकाई–5 प्रो. नारायणदाशकृत 'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्'– कथाकार का जीवन परिचय, कथा की कथावस्तु, कथा का हिन्दी अनुवाद तथा कथा में युगबोध।

इकाई–6 प्रो. बनमालीविश्वालकृत ' बुभुक्षा'– कथाकार का जीवन–परिचय, कथा की कथावस्तु, कथा का हिन्दी अनुवाद तथा कथा में युगबोध।

MAST-120 (N)

लघु शोध प्रबन्ध

पाठ्यक्रम में सम्मिलित किसी एक विषय/संस्कृत से सम्बन्धित अंश विशेष से लेकर 50 पृष्ठों का लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करना होगा।